

की प्रमुख स्त्री 4. वल्लभ संप्रदाय में राधिकाजी की एक संज्ञा 5. संसार से विरक्त स्त्री, वैरागिनी, तपस्विनी।

स्वामिभक्त वि./पुं. (तत्.) स्वामी या स्वामिनी में भक्ति-श्रद्धा-विश्वास रखने वाला।

स्वामिभक्ति स्त्री. (तत्.) 1. स्वामी या स्वामिनी के प्रति भक्ति भावना 2. पति में पूर्ण विश्वास रखने वाला।

स्वामि भृत्य न्याय पुं. (तत्.) नौकर के कुशल कार्य को देखकर जब मालिक खुश हो और नौकर को भी उसका लाभ मिले, अतः दूसरे के कार्य को सिद्ध करने पर अपना भी कार्य सिद्ध हो जाए या उससे प्रसन्नता हो तो यह न्याय-संगत माना गया है।

स्वामिस्व पुं. (तत्.) 1. वह धन जो किसी वस्तु के स्वामी को आधिरूप से मिलता हो या मिलने को हो 2. दे. स्वत्व शुल्क।

स्वामिहीन भूमि स्त्री. (तत्.) वह भूमि जिसका कोई अधिकारी, शासक या स्वामी न हो। no mens land

स्वामी पुं. (तत्.) 1. वह जिसे किसी वस्तु पर पूरे और सब प्रकार के अधिकार प्राप्त हो, धनी या मालिक 2. घर का प्रधान व्यक्ति 3. पति या शौहर 4. साधु-संन्यासी आदि के लिए संबोधन 5. ईश्वर या परमात्मा 6. राजा 7. सेनापति या सेनाध्यक्ष 8. शिव, विष्णु तथा ब्रह्मा त्रिदेवों का संबोधन 9. गरुड़।

स्वामीहीनत्व पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु के संबंध की वह स्थिति, जिसमें उसका कोई स्वामी न मिल रहा हो 2. वस्तु के लावारिस होने की अवस्था या भाव।

स्वाम्नाय पुं. (तत्.) 1. अपने वंश की परंपरागत परिपाटी, अपने कुल की रीति 2. परंपरानुसार अपने वंश के अनुसार मिला ब्राह्मण, आरण्यक आदि वेद।

स्वाम्य पुं. (तत्.) स्वामी होने की अवस्था, भाव या गुण। ownership

स्वाम्युपकारक पुं. (तत्.) घोड़ा, अश्व वि. स्वामी का उपकार करने वाला।

स्वायंभुव पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा का पुत्र स्वयंभु जैसे-स्वायंभुव मनु 2. ब्रह्मा का मानस पुत्र नारद वि. ब्रह्मा संबंधी, ब्रह्मा का।

स्वायंभुवी स्त्री. (तत्.) ब्राह्मी बूटी।

स्वायंभू पुं. (तत्.) दे. स्वायंभुव।

स्वायत्त वि. (तत्.) 1. जिस पर अपना अधिकार हो अथवा जो अपने अधीन हो उदा. सब कुछ थे स्वायत्त विश्व के/बल, वैभव, आनंद अपार-जयशंकर प्रसाद, कामायनी 2. जिसे स्वशासन का अधिकार प्राप्त हो जैसे- नगर की स्वायत्त व्यवस्था 3. स्वाधीन, स्वतंत्र।

स्वायत्तता स्त्री. (तत्.) 1. अपनी सरकार बनाने का अधिकार 2. स्थानीय स्वशासन का अधिकार। autonomy

स्वायत्तपाशन पुं. (तत्.) मनो. मूल उत्तेजना समाप्त होने पर बहुत देर तक माँसपेशियों का तना रहना।

स्वायत्तशासन पुं. (तत्.) नगर, ग्राम आदि में लोक-प्रतिनिधियों द्वारा की जाने वाली शासन-व्यवस्था अथवा स्वशासन।

स्वायत्त शासी वि. (तत्.) ऐसा देश या राज्य जिसे स्वयं ही शासन करने का अधिकार प्राप्त हो autonomous

स्वार पुं. (तद्.) 'सवार' पुं. (तत्.) मेघध्वनि वि. स्वर संबंधी।

स्वारक्षय वि. (तत्.) सहज रूप से जिसकी रक्षा की जा सकती हो।

स्वारथ पुं. (तद्.) दे. स्वार्थ।

स्वारथी वि. (तद्.) दे. स्वार्थी।

स्वारसिक वि. (तत्.) 1. जो सुरस युक्त हो 2. काव्य के अनुसार जिसमें अच्छा रस मिलता हो 3. प्राकृतिक या स्वाभाविक।

स्वारस्य स्त्री. (तत्.) 1. स्वाभाविक उत्तमता या श्रेष्ठता 2. स्वाभाविकता।

स्वारस्यार्थ क्रि.वि. (तत्.) 1. स्वारस्य के लिए या स्वाभाविक श्रेष्ठता के लिए 2. स्वाभाविकता के लिए या सौंदर्य के लिए उदा. 'स्वारस्यार्थ' रखना पड़ेगा सदा सामंजस्य- 'नहुष', मैथिलीशरण गुप्त।